भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2547
उत्तर देने की तारीख-09/03/2026

लक्षद्वीप के अनुसूचित जनजाति छात्रों हेतु शैक्षिक भ्रमण

†2547. **श्री हमदुल्ला सईदः**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि लक्षद्वीप में आठवीं और ग्यारहवीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों के लिए आयोजित शैक्षिक भ्रमण, जो मुख्य भूमि और शिक्षा तक आवश्यक पहुँच प्रदान करते थे, बंद कर दिए गए हैं;
(ख) यदि हां, तो इन भ्रमणों को बंद करने के क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार ने इन भ्रमणों के बंद होने से इन अलग-थलग पड़े द्वीपों के छात्रों के शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार का लक्षद्वीप के अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए वैकल्पिक शैक्षिक भ्रमण या परिचय कार्यक्रम पुनः आरंभ करने या आरंभ करने का विचार है और यदि हां, तो कार्यान्वयन हेतु समय-सीमा और कार्यप्रणाली क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ) : संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप से मिली जानकारी के अनुसार, कोविड-19 महामारी के दौरान जारी सरकारी सलाह के अनुसार, एक द्वीप से दूसरे द्वीप और मुख्य भूमि पर यात्रा रोक, परिवहन सेवाओं के निलंबन, और छात्रों की सुरक्षा और हित से जुड़ी चिंताओं के कारण 8वीं और 11वीं पास करने वाले छात्रों के लिए एजुकेशन टूर स्कीम 2020 में बंद कर दी गई थी। यह योजना लक्षद्वीप के सभी छात्रों के लिए थी, न कि विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए।

इस योजना के लिए बजट प्रावधान लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के अनुदान सहायता (जीआईए) बजट के तहत किया गया है।

प्रशासन अलग-थलग द्वीपों के छात्रों के लिए शैक्षिक प्रदर्शन कार्यक्रमों के महत्व को स्वीकार करता है। जहां शैक्षिक दौरों को बंद करने पर विशेष रूप से कोई औपचारिक प्रभाव मूल्यांकन नहीं किया गया था, वहीं वैकल्पिक प्रदर्शन पहल के माध्यम से छात्रों के शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम और व्यक्तिगत विकास की निरंतरता सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए थे।

अनुसूचित जनजाति (एसटी) से संबंधित छात्र सहित छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे अष्टलक्ष्मी दर्शन, इंस्पायर-मानक , भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ), एनसीसी शिविर (एटीसी, एनआईसी और गणतंत्र दिवस शिविर सहित), एनएसएस गतिविधियां, कला-उत्सव, और भारत सरकार के अन्य सांस्कृतिक और युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य भूमि के समकक्षों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया जाता है जिससे पर्याप्त शैक्षिक और विकासात्मक प्रदर्शन सुनिश्चित होता है।

*****